एच० एम० टी० की नकली घड़ियां

1459. **श्री हर गोविन्द वर्मा** : क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या एच० एम० टी० की नकली घड़ियां बाजारों में बड़ी संख्या में बेची जा रही हैं ;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार को ऐसी घड़ियों का निर्माण करने वाले सम्बद्ध व्यक्तियों का पता है ; और

(ग) यदि नहीं, तो क्या सरकार उन का पता लगाने के लिये कार्यवाही कर रही है और यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य-मंत्री (कुमारी आभा माइति) : (क) से (ग). कहीं कहीं एच०एम०टी० की नकली घड़ियां बेचे जाने के बारे में एच०एम०टी० को जानकारी मिली है । इस प्रकार की घड़ियों की सप्लाई तथा निर्माण के श्रोत के संबंध में एच०एम० टी० द्वारा जांच की जा रही है । एच०एम० टी० के विक्रेताओं / एजेंटों को बढ़ाने के लिए व्यावहारिक उपाय भी किये जा रहे हैं ताकि बढ़ते हुये ग्राहक एच० एम० टी० की घड़ियां सीधे प्राधिकृत विक्रेताओं/एजेंटों से खरीद सकें ।

विज्ञान प्रगति का प्रकाशन

1460. **श्री मोहन लाल पिपिल** : क्या विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या विज्ञान प्रगति के प्रकाशन में आपात स्थिति के दौरान आठ महीनों की देरी की जाती थी ;

(ख) यदि हां, तो उस के लिये कौन अधिकारी उत्तरदायी था तथा उनकी उस अनियमितता के लिये सरकार ने क्या कार्यवाही की है ;

(ग) क्या इस अवधि के दौरान उस के प्रकाशन में बड़ी धनराशि का गोलमाल भी किया गया था; और

(घ) यदि हां, तो तत्सम्बन्धी तथ्य क्या हैं तथा उस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

प्रधान मंत्री (श्री मोरारजी देसाई) : (क) "विज्ञान प्रगति" के प्रकाशन में कुछ विलम्ब हुए थे । यह अब पूर्णरूपेण ठीक समय पर प्रकाशित हो रही है ।

(ख) इस मामले की विशेष रूप से नियुक्त समिति जांच कर रही है ।

(ग) कुछ बकाया राशियों के वसूल होने में विलम्ब के अलावा वित्तीय अनियमितताओं संबंधी कोई शिकायत हमें प्राप्त नहीं हुई है । इसकी भी उक्त समिति द्वारा जांच की जा रही है ।

(घ) समिति के प्रतिवेदन की प्रतीक्षा की जा रही है । समिति की जांच के आधार पर सरकार उपयुक्त निर्णय करेगी ।

मुजफ्फरपुर उपग्रह दूरदर्शन केन्द्र

1461. **श्री उग्रसेन** : क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या मुजफ्फरपुर (बिहार) में एक उपग्रह दूरदर्शन केन्द्र 14 जून, 1978 को चालू हुआ था ;

(ख) वहां से कौन-कौन से कार्यक्रम प्रसारित किए जा रहे हैं ; और

(ग) क्या पूर्वी क्षेत्र के देवरिया, बलिया आजमगढ़, गोरखपुर तथा बस्ती आदि जन पद में भी इस उपग्रह से दूरदर्शन कार्यक्रम पहुंच सकते हैं और इस कार्य पर कुल कितना खर्च होगा ?

सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री लाल कृष्ण आडवाणी) : (क) और (ख). मुजफ्फरपुर में एक स्थलीय दूरदर्शन प्रेषण केन्द्र 14-6-1978 को चालू किया गया था । क्योंकि यह केन्द्र 'साइट ' उत्तरवर्ती योजना का अंग है, अतः वहां से टेलीकास्ट होने वाले कार्यक्रम मुख्यतया ग्रामोन्मुखी होते हैं। इन कार्यक्रमों को पहले वीडियो टेपों पर रिकार्ड किया जाता हैं और फिर उनको उक्त केन्द्र से टेलीकास्ट किया जाता है ।

(ग) संभवतया यह 'साइट' उत्तरवर्ती कार्यक्रम के संदर्भ में है जिसके अंतर्गत मुजफ्फरपुर दूरदर्शन प्रेषण केन्द्र कार्य कर रहा है । इसके सेवा क्षेत्र का विस्तार उत्तर प्रदेश के पूर्वी जिलों में करना संभव नहीं है ।

Restarting of River Services

1462. SHRI GANGADHAR APPA BURANDE: Will the Minister of SHIPPING AND TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether any action has been taken or is proposed to be taken by Government to restart the river services which were closed down; and

(b) if so, the details therefor?

THE MINISTER OF STATE IN-CHARGE OF THE MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT (SHRI CHAND RAM): (a) Yes, Sir.

(b) The river services on two routes namely; Calcutta-Gauhati and Calcutta-Cachar which were closed down have been restarted with effect from May, 1978 and June, 1978 respectively by Central Inland Water Transport Corporation Limited. Calcutta.

Pay and Allowances of J.C.Os. and other Rank Officers

1463. SHRI K. N. DASGUPTA: Will the Minister of DEFENCE be pleased to state:

(a) whether the differences in pay and allowances between the JCOs and other rank officers are gradually increasing;

(b) whether at present JCOs and Jawans are getting same ration scale and allowances and outfit allowances, but the newly commissioned officers are getting at much higher rates; and

(c) whether JCOs are getting 1st class journey facility but as regards mileage allowances they are getting less than that of other officers?

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI JAGJIVAN RAM): (a) No, Sir. The disparity in the ratio of pay between JCOs and Commissioned Officers has been substantially reduced over the years.

(b) JCOs and Jawans are entitled to free rations, or ration allowance in lieu thereof when rations are not drawn in kind. Commission Officers (including newly Commissioned Officers), are not entitled to free rations, except when posted to field areas. The ration scales of Commissioned Officers, including newly Commissioned Officers, in field areas are different as compared to JCOs/Jawans because of different dietary habits.

So far as outfit allowance is concerned. JCOs and Jawans get free initial issue of clothing, free washing services, and clothing allowance of Rs. 9 p.m. for the purpose of replacement and repair of articles of clothing. In field areas, they get free replacement of clothing in lieu of clothing allowance. On the other hand, a